महत्वपूर्ण एवं खास

कक्षा 9 वीं में प्रवेश के लिए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर

रायगढ़। जवाहर नवोदय विद्यालय, भूपदेवपुर जिला-रायगढ़ में सत्र 2022-23 के लिए कक्षा 9 वीं के दो रिक्त स्थानों की पूर्ति हेतु चयन परीक्षा के माध्यम से पूर्ण किया जाना है। जिसके लिए आवेदक विद्यालय समिति के वेबसाईट www.navodaya.gov.in OR https://www.nvsadmissionclass-nine.in/ में अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2021 तक ऑनलाईन आवेदन जमा कर सकते है। परीक्षा 9 अप्रैल 2022 को होगी। रायगढ़ जिले के शासकीय /शासन से मान्यता प्राप्त विद्यालय से सत्र 2021-22 में कक्षा 8 वीं की परीक्षा में सम्मिलित/उत्तीर्ण छात्र प्रवेश परीक्षा में बैठने के पात्र है। छात्र की जन्म तिथि 01.5.2006 से 30.4.2010 (दोनों दिन मिलाकर)के मध्य होनी चाहिए। इस परीक्षा के लिए सभी श्रेणी के उम्मीदवारों के साथ अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवार भी पात्र होंगे। इस संबंध में विशेष जानकारी के लिए नवोदय विद्यालय समिति की वेबसाईट https://www.navodaya.gov.in/nvs/nvs-school/RAIGARH/en/home पर देख सकते है।

जिले में 868.7 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज

रायगढ़। चालू वर्षा मौसम में रायगढ़ जिले में 15 सितम्बर तक 868.7 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है। बीते 24 घंटे में जिले में 39.6 मिली मीटर औसत वर्षा हुई है। भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जिले के रायगढ़ तहसील में 904.4 मिली मीटर, पुसौर में 1051.9, खरसिया में 782.1, सारंगढ़ में 970.2, बरमकेला में 769.8, घरघोड़ा में 822.8, तमनार में 772.3, लैलूंगा में 863.6, धरमजयगढ़ में 931.8, छाल में 921.5 तथा सरिया तहसील में 764.8 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई है।

खाते से 1 लाख 37 हजार पार,थाने में मामला दर्ज

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी के गुढियारी थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति के खाते से एक लाख 37 हजार 699 रुपये किसी ने निकाल लिया। मामले की रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात आरोपितों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले में एक बार फिर बैंक पर सवाल खड़े हुए हैं। दो माह से प्रार्थी के खाते से पैसे कट रहे थे लेकिन पैसे कटने का मैसेज उसके मोबाईल पर नही आ रहा था। मिली जानकारी के मुताबिक गुलाब नगर गुढ़ियारी निवासी बैरिस्टर सिंग ने पुलिस को बताया, कि सिलतरा स्थित प्राइवेट कंपनी में फिटर का काम करता है। आठ सितंबर को जनता कालोनी स्थित एटीएम में पैसा निकालने गया था, तो अकाउंट से पैसे नहीं निकले। बैंक में जाकर जानकारी मांगी तो पता चला कि पेटीएम के माध्यम से पिछले दो माह से खातों से पैसे निकाल रहे हैं। पैसे निकलने की जानकारी उन्हें मैसेज के माध्यम से नही मिली।

कलेक्टर भीम सिंह ने लोढ़ाझर आंगनबाड़ी केन्द्र में रागी लड्डू वितरण कार्यक्रम का किया शुभारंभ

» जिले में रागी से सेहत की नींव मजबूत करने की हुई शुरूआत, 5 विकासखण्डों में शुरू हुआ कार्यक्रम

रायगढ़। रागी के पोषक गुणों से जिले में बच्चों व गर्भवती महिलाओं की सेहत संवारने की शुरूआत आज जिले में कर दी गई। कलेक्टर भीम सिंह ने लोढ़ाझर आंगनबाड़ी केन्द्र में बच्चों को रागी लड्डू खिलाकर कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रागी के पौष्टिक खुबियों का उपयोग अब जिले में चल रहे कुपोषण मुक्ति अभियान में करने की शुरूआत हो रही है। रागी को मेन्यू में शामिल करने से बच्चों के पोषण स्तर को बढ़ाने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही यहां इसकी खेती को भी बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने कहा कि बच्चे के दिमाग व शरीर के विकास के लिए सही पोषण मिलना बेहद जरूरी है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस दिशा में संवेदनशील पहल करते हुये मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान की शुरूआत की है। बच्चों को जल्द कुपोषण से बाहर लाने गरम भोजन व अण्डा दिया जा रहा है। जिले में इसके लिए डीएमएफ से पूरे प्रदेश में सर्वाधिक 10 करोड़ रुपये खर्च किये गये। कुपोषण मुक्त पंचायत बनाने की दिशा में काम करते हुए जनप्रतिनिधियों को भी इस अभियान से जोड़ा गया। जिसके काफी सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिले। पिछले एक साल में 10 हजार से अधिक बच्चे कुपोषण से बाहर आ चुके है। अब कैल्शियम से भरपूर रागी के लड्डू बच्चों को दिया

जाएगा जिससे बच्चों को जल्द कुपोषण से बाहर निकालने में मदद मिलेगी।

इस अवसर पर कार्यक्रम में सम्मिलित हुए जिला पंचायत सदस्य अवधराम पटेल ने कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्रों में रागी लड्डू वितरण कार्यक्रम की शुरूआत कलेक्टर भीम सिंह के नेतृत्व में जिला प्रशासन की एक संवेदनशील पहल है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों के साथ गर्भवती महिलाओं को भी रागी पोषण आहार के रूप में दिया जा रहा है। जिससे कुपोषण मुक्ति के लिए जिले में चल प्रयासों को बल मिलेगा।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर भीम सिंह की पहल पर इस विशेष कार्यक्रम की शुरूआत जिले में हुई है। जिसके अंतर्गत जिले में रागी का प्रोसेसिंग कर लड्डू तैयार किये जायेंगे। पोषक खूबियों से भरपूर ये लड्डू आंगनबाड़ी केन्द्रों के जरिये बच्चों व गर्भवती महिलाओं को दिए जाएंगे। इसके लिये रागी के उत्पादन से लेकर उसके प्रोसेसिंग व उत्पाद तैयार करने तक का सारा काम जिले में ही किया जायेगा। बच्चों को सेहत व बड़ो को रोजगार देने वाले इस विशेष कार्यक्रम की आज शुरूआत की गई। कलेक्टर भीम सिंह ने इसके लिए आकांक्षी जिलों में काम करने वाली राज्य स्तरीय टीम के माध्यम से पूरी कार्ययोजना तैयार करवायी है। जिले के 05 आदिवासी विकासखंड से इसकी शुरुआत हो रही रही है। महिला बाल विकास विभाग के साथ खाद्य, कृषि और एनआरएलएम को जिले में इस कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए शामिल किया गया है।

रागी लड्डू वितरण कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर जिला पंचायत सदस्य अवधराम पटेल, सरपंच लोढ़ाझर रामकुंवर राठिया, गौठान समिति अध्यक्ष किरीतमाल खगपति पटेल, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास विभाग टी.के.जाटवर, महिला बाल विकास विभाग से श्रीमती दीपा बघेल, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिका सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे।

1940 आंगनबाड़ी केन्द्रों में हफ्ते में दो दिन बटेंगे लड्डू

हड्डियों को मजबूती के लिये जरूरी कैल्शियम रागी में चावल से 30 गुना तथा दूध से तीन गुना अधिक पाया जाता है। यह बढ़ते बच्चों व महिलाओं के लिये अत्यंत आवश्यक पोषक तत्व है। आंगनबाड़ी केन्द्रों में 6 माह से 3 वर्ष तक के कुपोषित बच्चे, 3 वर्ष से 6 वर्ष तक के सभी बच्चे व गर्भवती महिलाओं को सप्ताह में दो दिन मंगलवार व शनिवार को सुबह के नाश्ते के रूप में एक-एक लड्डू दिया जायेगा। शुरूआत में इसे जिले के पांच आदिवासी विकासखण्डों लैलूंगा, धरमजयगढ़, घरघोड़ा, खरसिया एवं तमनार के 7 परियोजनाओं के 1940 आंगनबाड़ी केन्द्रों में लगभग बच्चे व गर्भवती महिलाओं को मिलाकर 35 हजार से अधिक लाभार्थियों को रागी के लड्डू प्रदान किए जायेंगे।

वैवाहिक कार्यक्रम में अब 100 एवं अन्य कार्यक्रमों में 50 व्यक्तियों को शामिल होने की मिली अनुमति

» कलेक्टर ने जारी किया आदेश

रायगढ़। कलेक्टर भीम सिंह द्वारा कोरोना वायरस के संक्रमण को दृष्टिगत रखते हुए वैवाहिक कार्यक्रम में अधिकतम 50 व्यक्तियों के सम्मिलित होने की अनुमति दी गई थी। वर्तमान में जिला रायगढ़ में कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण तथा पॉजिटीव मरीजों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है। अतएव उक्त आदेश में आंशिक संशोधन करते हुए वैवाहिक कार्यक्रम में अब अधिकतम 100 एवं अन्य कार्यक्रमों में 50 व्यक्तियों को विभिन्न शर्तों के तहत सम्मिलित होने की अनुमति दी गई है। जिसके अंतर्गत मैरिज हॉल संचालक कार्यक्रम में सम्मिलित होने वाले व्यक्तियों का नाम पता एवं मोबाईल नम्बर की जानकारी रजिस्टर में संधारित करेंगे। कार्यक्रम के आयोजन हेतु नियमानुसार संबंधित अनुविभाग के अनुविभागीय दण्डाधिकारी से लिखित में अनुमति लेना होगा। कार्यक्रम में सम्मिलित होने वाले व्यक्तियों को सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना अनिवार्य होगा। कार्यक्रम में शामिल होने वाले व्यक्तियों को मास्क पहनना एवं समय-समय पर साबुन से हाथ धोना, सेनेटाईज करना अनिवार्य होगा। कार्यक्रम के दौरान कोविड-19 के समस्त गाईड लाईन का पालन करना अनिवार्य होगा। गाईडलाईन का उल्लंघन करते पाये जाने पर भारतीय दण्ड संहिता 1860 की धारा 188, आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 की धारा 51-60 के तहत संचालक एवं संबंधित आयोजक के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

समस्त सेक्टर इंचार्ज व सेक्टर सुपरवायजरों की राष्ट्रीय कार्यक्रमों की संबंध में हुई समीक्षा बैठक

रायगढ़। राज्य शासन से प्राप्त दिशा-निर्देश के अनुसार जिला प्रशासन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एस.एन.केशरी के मार्गदर्शन में सभी राष्ट्रीय कार्यक्रमों की समीक्षा बैठकों की शुरूआत हो चुकी है। जिसमें राष्ट्रीय कार्यक्रम के समस्त नोडल अधिकारियों द्वारा समस्त विकासखंड के सेक्टर इंचार्ज व सेक्टर सुपरवायजर की आज सीएमएचओ कार्यालय के आरोग्यम् सभाकक्ष में बैठक ली गई। इसमें चार विकासखंड बरमकेला, सारंगढ़, लोईंग एवं पुसौर से कुल 56 सेक्टर इंचार्ज व सेक्टर सुपरवायजर उपस्थित हुए। जिसमें राष्ट्रीय कार्यक्रमों की बिन्दुवार चर्चा की गई और उन्हें अपने कार्यो के दायित्वों के बारें में समझाईश दी गई। समीक्षा के दौरान आरसीएच रजिस्टर पूर्ण करने, मातृ-मृत्यु दर को रोकने, हाई रिस्क गर्भवती माताओं की लाइन लिस्टिंग कर टेलीफोनिक माध्यम से काउन्सलर द्वारा समस्त राष्ट्रीय कार्यक्रम की काउंसिलिंग करने तथा लक्ष्य के अनुरूप कार्य को करने के लिये

कड़ाई से पालन करने हेतु निर्देशित किया गया।

बैठक में कोविड-19 टीकाकरण का द्वितीय डोज लगाने के संबंध में रणनीति बनाई गई। ताकि शत-प्रतिशत लोग टीकाकृत हो सके। आयुष्मान भारत का लाभ अधिक से अधिक लोगों को मिले। ओपीडी आईपीडी का संचालन ठीक से करने के लिये जेनेरिक दवाईओं का लाभ दिलाया जाये ताकि आम जनता अधिक से अधिक लाभ लें सकें। हाट बाजार लगने के 2 दिन पूर्व आस-पास के क्षेत्रो में प्रचार-प्रसार एवं मुनादी करने की समझाईश दी गई। ई संजीवनी के बारें में विस्तार से डेमो करके बताया गया। 50 सूचकांक की समीक्षा करते हुए शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लीनिक योजना से 60 हजार हुए लाभान्वित

रायगढ़। ग्रामीण क्षेत्रों में लोग अपने दिनचर्या में व्यस्त रहते है। जिसके कारण रोगों के प्राथमिक लक्षण को नजर अंदाज कर प्रारंभिक अवस्था में इलाज के लिए स्वास्थ्य संस्थाओं में नहीं पहुंच पाते थे। जिससे बीमारी गंभीर हो जाती है और उच्च स्वास्थ्य संस्थाओं में इलाज के लिए एक बड़ी आर्थिक बोझ की संभावना बनी रहती थी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की संवेदनशील पहल पर लोगों की स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लीनिक की शुरूआत की गई है। इससे स्वास्थ्य सुविधाएं गांव-गांव तक पहुंच चुकी है। जिससे बीमारियों को प्राथमिक जांच में पता कर इलाज प्रारंभ किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लीनिक योजना ने लोगों के घर के द्वार तक स्वास्थ्य सुविधा पहुंचा दी है। जिससे लोगों की दिनचर्या बिना प्रभावित हुए वो स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ ले पा रहे है।

योजना से लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता आयी है। यही कारण है कि अब लोग लक्षण दिखने पर प्रारंभिक स्थिति में बीमारियों की जांच एवं उपचार करा रहे है। जिससे स्वास्थ्य समस्याओं को जांचकर उसका निराकरण कर गंभीर स्थिति तक पहुंचने से बचाया जा रहा है। अतः इस योजना से गैर संचारी रोगों से होने वाली मृत्यु दर में कमी आएगी।

मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लीनिक योजना के अंतर्गत जिले में 23 हाट-बाजार क्लीनिक योजना का संचालन किया जा रहा था। जिसे अब बढ़ाकर 42 हाट-बाजार क्लीनिक का संचालन किया जा रहा है। जिसमें बरमकेला में 6, सारंगढ़ में 6, खरसिया में 4, लोईंग में 2, तमनार में 6, घरघोड़ा में 5, लैलूंगा में 6 एवं धरमजयगढ़ में 7 हाट-बाजार संचालित किया जा रहा है। इस हाट-बाजार क्लीनिक योजना के अंतर्गत सर्दी, खासी, बुखार, मलेरिया, टीवी, एचआईवी, रक्ताल्पता, कुष्ट, मधुमेह, ब्लड प्रेशर, नेत्ररोग, डायरिया, गर्भवती महिलाओं की जांच एवं टीकाकरण तथा अन्य सामान्य तथा मौसमी बीमारियों की जांच एवं उपचार किया जाता है। मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लीनिक योजना से रायगढ़ जिले में अगस्त माह की स्थिति में गैर संचारी हेतु जांच 30 हजार, मलेरिया 4 हजार 800, रक्ताल्पता 3 हजार 400, कुष्ट 450, टीबी 450 एवं 900 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई है। मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लीनिक योजना से कुल लाभान्वितों की संख्या लगभग 60 हजार है।

हाट-बाजार क्लीनिक के लिए लगाए गए है डेडीकेटेड वाहन - मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लीनिक योजना के सफल व सुचारू संचालन सुविधाओं के विस्तार के लिए जिला खनिज न्यास निधि से डेडिकेटेड 3 बोलेरो एम्बुलेंस तथा 4 एमएमएयू बस प्रदान किया है। यहां मरीजों के बैठने के लिए शेड, रजिस्ट्रेशन, चिकित्सक के बैठने व जांच के लिए पृथक से व्यवस्था उपलब्ध है। एमएमयू में ईसीजी पैथोलॉजी की जांच सुविधा तथा दवाई वितरण की व्यवस्था है।

रेत की अवैध तस्करी, खनिज विभाग ने जप्त किये 6 ट्रैक्टर

कोरबा (आरएनएस)। रेत की अवैध तस्करी पर खनिज विभाग ने घाट में दबिश देकर 6 ट्रेक्टर को पकड़ा। जब्त ट्रैक्टर की कार्यवाही चल रही थी इसी एक तस्कर फिल्मी स्टाइल में कोतवाली गेट के समीप से ही रेत लोड ट्रैक्टर को ले भागा। रेत तस्कर पर कोतवाली पुलिस ने जब अपराध दर्ज करने दबाव बनाना शुरू किया तो वापस रेत लोड ट्रैक्टर को थाना में लाकर खड़ा किया गया।

खनिज विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक भिलाई खुर्द के पास नदी से रेत तस्करी की सूचना पर खनिज विभाग की टीम ने रेत घाट पर दबिश दी। खनिज विभाग की टीम को देखते ही रेत तस्करो में अफरा तफरी मच गई। मौके से 6 ट्रैक्टर को रेत उत्खनन और परिवहन करते पकड़ा गया। रेत तस्करी में लिप्त सभी वाहनो में तीन को कोतवाली थाना परिसर में एवं तीन 3 को कलेक्ट्रेट परिसर में खड़ा कराया गया है। इसी दौरान एक रेत तस्कर फिल्मी अन्दाज में छोटा हाथी में थाना परिसर में एंट्री मारा और अपने जब्त ट्रैक्टर को थाना परिसर के गेट के समीप से ले भागा। मामले की गंभीरता को देखते हुए कोतवाली थाना प्रभारी ने ट्रैक्टर मालिक को खोज बिन शुरू की तो वापस रेत लोड ट्रैक्टर को वापस लाया गया है। बहरहाल रेत तस्करों पर हुई एक साथ कार्यवाही से रेत माफ्रियाओं में हड़कंप मचा हुआ है।

अवैध रेत उत्खनन की शिकायत पर सुबह भिलाई खुर्द नदी में छापामार कार्रवाई की गई ।

नक्सली बटालियन के टेक्निकल टीम का 1 नक्सली गिरफ्तार

सुकमा (आरएनएस)। जिले के कोंटा थाना से हमराह बल मुखबिर की सूचना पर कोंटा बस स्टैण्ड की ओर रवाना हुये जहां 01 व्यक्ति पुलिस पार्टी को देखकर छिपने/भागने की कोशिश कर रहा था, जिसे पुलिस ने घेराबंदी कर गिरफ्तारी के बाद पूछताछ करने पर अपना नाम माड़वी हिड़मा पिता माड़वी पोज्जा साकिन ग्राम ताड़मेटला, थाना चिंतागुफा होना बताया, पूछताछ में उसने बताया कि पुलिस पार्टी को क्षति पहुंचाने की नियत से कोंटा से भेजी-एलारमड़गू मार्ग पर आने जाने वाले पुलिस बल की रेकी करना तथा प्रतिबंधित नक्सली संगठन में बटालियन में टेक्निकल टीम के सदस्य के पद पर कार्य करना स्वीकार किया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गिरफ्तार नक्सली माड़वी हिड़मा थाना भेजी क्षेत्रान्तर्गत 18 फरवरी 2018 को ग्राम एलाड़मड़गू तालाब के पास रोड निर्माण कार्य में लगे 10 वाहनों में आगजनी एवं 01 आम नागरिक की हत्या करने की घटना में शामिल था, घटना पर थाना भेजी अप.क्र . 03/18 धारा 147, 148, 149, 342, 323, 302, 427, 435, 506 (बी) भादवि., 25, 27 आर्स एक्ट, 03, 05 वि.प. अधिनियम 38, 39 (1) (क) वि.वि.क्रि.नि.अधि. का प्रकरण पंजीबद्ध है, तथा थाना किस्टाराम क्षेत्रान्तर्गत 13 मार्च 2018 को ग्राम कांसाराम नाला के पास एन्टी लैण्ड माइंस वाहन को विस्फोट कर पुलिस गस्त पार्टी पर हमला करने की घटना में शामिल था, जिसमें 09 जवान शहीद व 02 जवान घायल हुये थे। इस घटना पर थाना किस्टाराम में अप.क. 07/18 धारा 147, 148, 149, 307, 302, 396, 120 (बी), 427, 332, 333 भादवि., 25, 27 आर्स एक्ट, 30, 05 वि.प. अधि., 38, 39 (1) क (i) (ii) वि.वि.क्रि.क.नि. अधि.का प्रकरण पंजीबद्ध है। आरोपी माड़वी हिड़मा के निशानदेही पर 08 नग इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, 08 मीटर कोर्डेक्स वायर बरामद किया गया है। कार्यवाही के उपरांत आज विशेष न्यायालय दंतेवाड़ा के समक्ष पेश किया गया।

डेंगू बूखार भी वायरल बुखार की तरह है, डेंगू होने पर धीरज रखे, झोलाछाप डॉक्टरों के पास जाने से बचें

» तुरंत चिकित्सक की सलाह लें-डॉ विकास अग्रवाल

» ज्यादा से ज्यादा पानी पिए और हेल्दी खाए

रायगढ़। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, रायपुर के अध्यक्ष डॉ.विकास अग्रवाल ने कहा है कि बरसात के दिनों में मच्छर से पैदा होने वाली कई बीमारिया फैलती है और इसमें डेंगू भी शामिल है।

डॉ.विकास अग्रवाल ने डेगू से बचाव, सावधानी और उपचार पर नागरिकों को चिकित्सीय सलाह देते हुए कहा कि डेंगू का मच्छर दिन के समय काटता है। इसलिए बेहतर है कि हम मच्छर से बचाव के लिए उपाय करें, मच्छर को दूर रखने के लिए शरीर में मलहम लगाए और अपने आसपास के एरिया को क्लीन रखे। जहां जमा हुआ पानी है, वहां से पानी को निकाल दे और उस एरिया को सुखा रखें। अगर जमा हुआ पानी को निकाला नहीं जा सकता तो वहां मिट्टी तेल या डीजल डाले जिससे उसकी सतह बन जाएगी और लार्वा को ऑक्सीजन मिलना बंद हो जाएगा और मच्छर के लार्वा मर जाएगें। इस तरह से मच्छर की जनसंख्या को भी नियंत्रण में

रखा जा सकता है।

डॉ.अग्रवाल ने नागरिकों से कहा कि हमें जानना चहिये कि किस तरह से हम डेंगू को पहचानें। जो लक्षण के रूप में मरीज को तेज बुखार होगा, सिर दर्द होगा, कुछ लोगों को उल्टियां होती है और शरीर में दाने आ जाते है, खुजली भी हो सकती है। तो ध्यान रखे जब भी कोई मरीज को बुखार आये तो तुरन्त अपने चिकित्सक के पास जाए। उन्होंने कहा कि झोलाछाप डॉक्टरों के पास जाने से बचें क्योंकि उन्हें नहीं पता की डेंगू में कौन सी दवायें नहीं देनी चाहिये, बहुत सी दवाइयां डेंगू में देने से घातक हो सकती है। शरीर के अंदरूनी हिस्सों में प्लेटलेट की संख्या कम होने से खून का रिसाव हो सकता है, बीपी डाउन हो सकता है। उन्होंने नागरिकों से कहा कि डेंगू का बुखार वायरल बुखार है, डेंगू होने पर धीरज रखे। बुखार उतरने में 3 से 5 दिन का समय लगेगा। कभी-कभी 8 से 10 दिन का समय भी लग जाता है और अपने खान-पान में विशेष ध्यान रखे। किसी भी किस्म का नशा न करें।

खाने में जितना अच्छा पौष्टिक खाना होगा शरीर उतना मजबूत होगा और बीमारी से लड़ पायेगा। पानी ज्यादा से ज्यादा पीये, कम से कम 12 से 15 ग्लास पानी प्रतिदिन पिये। सावधानी रखें, धीरज रखिये, डेंगू आपका कुछ नही बिगाड़ सकता।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक तथा संपादक सी.बी.वर्मा द्वारा न्यायसाक्षी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 327, वार्ड नं. 24, श्रीराम कॉलोनी स्टेडियम के पीछे रायगढ़ से मुद्रित एवं प्रकाशित फोन 07762-221359 पी.आर.बी. अधिनियम के तहत् खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार ई-मेल - nyaysakshi@gmail.com- www.nyaysakshi.com RNI NO :- CHHHIN/2018/76480